August 24th, 2020

CWC Resolution

The

Congress Working Committee [‘CWC’] takes note of the letter of Congress President, Smt. Sonia Gandhi addressed to General Secretary (Organisation) as also a letter written earlier by certain Congress leaders to the Congress President.

The

CWC has extensively deliberated on the letters and, after detailed discussion, places on record the following:

First,

the last six months have seen the nation in the throes of multiple crises. We have been beset by (i) the Corona pandemic that continues to claim thousands of lives, (ii) downward-spiraling economy, (iii) massive job losses and growing poverty, and (iv) brazen aggression into and occupation of Indian territory by the Chinese.

Second,

the two voices that have been at the forefront of exposing the Government’s inadequate responses, divisive politics and audacious propaganda are of Smt. Sonia Gandhi and Shri. Rahul Gandhi. Smt. Sonia Gandhi’s hard questions on the handling of the migrants’ crisis put this Government to shame. She ensured that Congress-ruled states tackled the pandemic effectively and provided access to healthcare and treatment to all sections of the people. Her leadership has rankled and embarrassed those occupying the highest offices in this Government. Shri. Rahul Gandhi has resolutely led the fight against the government from the front. The CWC, reflecting the overwhelming view and desire of the rank and file of the Congress, unanimously resolved to strengthen the

hands of Smt. Sonia Gandhi and Shri. Rahul Gandhi in every possible way. The CWC makes it clear that no one will be or can be permitted to undermine or weaken the party and its leadership at this juncture. The responsibility of every Congress worker and leader today is to fight the pernicious assault on India's democracy, pluralism and diversity by the Modi Government.

Third,

and most importantly, the voices of our two leaders have inspired a generation of Indians, both within and outside of the Indian National Congress, to rise and demand answers from this Government which seeks to desperately distract the people through shallow and manufactured issues. It is under their leadership that crores of Congress workers and supporters have reached out to fill the large, callous gaps in governance left by this Government as a result of which millions belonging to the poor and middle classes have been unjustly deprived of their rights and their livelihoods.

Fourthly,

the CWC notes that inner-party issues can not be deliberated through the media or in public fora. The CWC urges and advises all concerned to raise such issues only in party fora in the interest of propriety and discipline.

Fifthly,

the CWC authorises the Congress President to affect necessary organisational changes that she may deem appropriate to take on the challenges listed above.

24 अगस्त, 2020

कांग्रेस कार्यसमिति का प्रस्ताव

कांग्रेस कार्य समिति (‘सीडब्ल्यूसी’) ने कांग्रेस अध्यक्षा, श्रीमती सोनिया गांधी द्वारा महासचिव (संगठन) को लिखे गए पत्र एवं कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा कांग्रेस अध्यक्षा को लिखे हुए पत्र का संज्ञान लिया।

सीडब्लूसी ने इन पत्रों पर गहन विचार विमर्श किया एवं विस्तृत चर्चा के बाद, निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले:

पहला, पिछले छः महीनों में देश पर अनेकों विपत्तियां आई हैं। देश के सामने आई चुनौतियों में (1) कोरोना महामारी है, जो हजारों जिंदगी ले चुकी है; (2) तेजी से गिरती अर्थव्यवस्था व आर्थिक संकट; (3) करोड़ों रोजगारों का नुकसान एवं बढ़ती गरीबी तथा (4) चीन द्वारा भारतीय सीमा में घुसपैठ व कब्जे के दुस्साहस का संकट है।

दूसरा, इस चुनौतीपूर्ण समय में सरकार की हर मुद्दे पर संपूर्ण विफलता को उजागर करने व विभाजनकारी राजनीति एवं भ्रामक प्रचार-प्रसार का पर्दाफाश करने वाली सबसे ताकतवार आवाज श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी की है। प्रवासी मजदूरों की समस्याओं पर श्रीमती सोनिया गांधी के सटीक सवालों ने भाजपा सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित की। श्रीमती सोनिया गांधी ने सुनिश्चित किया कि कांग्रेस-शासित राज्यों में कोरोना महामारी को प्रभावशाली तरीके से सम्हाला जाए तथा स्वास्थ्य सेवाएं व इलाज समाज के हर वर्ग को उपलब्ध हो सकें। उनके नेतृत्व ने उच्च पदों पर बैठे लोगों को झकझोरा भी और सच्चाई का आईना भी दिखाया। श्री राहुल गांधी ने भाजपा सरकार के खिलाफ जनता की लड़ाई का दृढ़ता से नेतृत्व किया। कांग्रेस के हर आम कार्यकर्ता की व्यापक राय व इच्छा को प्रतिबिंबित करते हुए, कांग्रेस कार्यसमिति की यह बैठक श्रीमती सोनिया गांधी एवं श्री राहुल गांधी के हाथों व प्रयासों को हर संभव तरीके से मजबूत करने का संकल्प लेती है। सीडब्लूसी की स्पष्ट राय है कि इस महत्वपूर्ण मोड़ पर पार्टी एवं इसके नेतृत्व को कमजोर करने की अनुमति न तो किसी को दी जा सकती है और न ही किसी को दी जाएगी। आज हर कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं नेता की जिम्मेदारी है कि वह भारत के लोकतंत्र, बहुलतावाद व विविधता पर मोदी सरकार द्वारा किए जा रहे कुत्सित हमलों का डटकर मुकाबला करे।

तीसरी व एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे इन दोनों नेताओं की बुलंद आवाज ने, कांग्रेस के अंदर व बाहर, देशवासियों के साथ खड़े हो भाजपा सरकार से जवाबदेही मांगने व सवाल पूछने के लिए प्रेरित किया है, जबकि सरकार जनता को अपने खोखले व स्वनिर्मित मुद्दों में उलझाकर रखना चाहती है। उनके नेतृत्व में करोड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता व समर्थक बाहर निकल पड़े, ताकि मौजूदा भाजपा सरकार के अधीन शासन की भारी कमियों की भरपाई हो, जिनकी वजह से गरीब व मध्यम परिवार के लोगों को अपने अधिकारों व आजीविका से वंचित होना पड़ा।

चौथा, सीडब्लूसी ने इसका भी संज्ञान लिया कि पार्टी के अंदरूनी मामलों पर विचार विमर्श मीडिया के माध्यम से या सार्वजनिक पटल पर नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस कार्यसमिति ने सभी कार्यकर्ताओं व नेताओं को राय दी की पार्टी से संबंधित मुद्दे पार्टी के मंच पर ही रखे जाएं, ताकि उपयुक्त अनुशासन भी रहे और संगठन की गरिमा भी।

पाँचवां, सीडब्लूसी कांग्रेस अध्यक्षा को अधिकृत करती है कि उपरोक्त चुनौतियों के समाधान हेतु जरूरी संगठनात्मक बदलाव के कदम उठाएं।

उपरोक्त विचार विमर्श एवं निष्कर्ष के प्रकाश में सीडब्लूसी एकमत से श्रीमती सोनिया गांधी से निवेदन करती है कि कोरोना काल में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अगले अधिवेशन के बुलाए जाने तक वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षा के गरिमामय पद पर नेतृत्व करें।